

**HOME WORK CORRECTION SHEET FOR SEM - 6 SANSKRIT HONS STUDENTS**

**TEACHERS`NAME- ARPITA PRAMANIK**

**DEPARTMENT OF SANSKRIT  
K.C.COLLEGE, HETAMPUR, BIRBHUM**

**DATE-21-4-2020**

**TOPIC--SANSKRIT TRANSLATION**

**PAPER-CC-14**

## संस्कृत भाषाय अनुवाद कर।

### लट्-लकार (वर्तमान काल) प्रयोग करे

- १। राम माह् खाच्छे= रामः मत्स्यं खादति।
- २। कार्ठुरिया(कार्ठाजीव) काठ काट्छे= कार्ठाजीवः काष्ठं कृञ्चति।
- ३। शरत्काले वृष्टिं हय= शरदि वृष्टिः न भवति।
- ४। से आमाके पुत्रे मत् (पुत्रवत्) भालोवासे= स मां पुत्रवत् स्निह्यति/प्रीणाति।
- ५। दुटि बालक दुध् खाय=बालकौ दुग्धं पिवतः।
- ६। मानुषेरा काज करे= नराः कर्म कुर्वन्ति।
- ७। आमि चिठि लिख्छि= अहं पत्रं लिखामि।
- ८। छेले बाबार उपदेशे शुने(शु धातु)= पुत्रः पितुः उपदेशं शृणोति।
- ९। वर्षाकाले वृष्टिं हय=वर्षासु वृष्टिः भवति।
- १०। सकले चोख दिये देखे=सर्वे चक्षुषा पश्यन्ति।
- ११। वक्नु! एखन की करछ ? (क् धातु)= वक्त्रो! इदानीं किं करोषि ?

### लङ् लकार(अतीत काल) प्रयोग करे

- १। माधव बह् नियेछिला(नी धातु)=माधवः पुस्तकम् अनयत्।
- २। आमि जानताम ना।(ज्ना धातु)= अहं न अजानाम्।
- ३। से धूप दिये मशा ताडियेछिल(ताड् धातु)=सः धूपेन मशकम् अताडयत्।
- ४। दुजन मुटे(भारिक) भार वहन करेछिला(वह् धातु)=भारिकौ भारम् अवहताम्।
- ५। सीता आश्रमगृह लेपन करेछिला(लिम्प)=सीता आश्रमगृहं लिम्पति स्म।
- ६। दमयन्ती जेगे उठेछिला(जाग् धातु)=दमयन्ती अजागत्।
- ७। दुटि जुँइगाछ(यूथिका वृष्) मरे गेछे। (म् धातु)=यूथिकावृष्कौ अम्रियेताम्।
- ८। आमि लिचुण्णि खेयेछिलाम।(खाद् धातु)= अहम् लिचुफलानि  
अखादम्/अभुजनम्/आदम्।

### लृट् लकार (भविष्यत् काल) प्रयोग करे

- १। छात्रा कलकताय यावे=छात्राः कलिकतायां गमिष्यन्ति।
- २। से फल खावे=सः फलं खादिष्यति।
- ३। तारा दुजने कापड् किनवे=तौ वस्त्रं क्रेष्यतः।
- ४। राजा भिष्कुकके अर्थ दान करवे।(दा धातु)=नृपः/राजा भिष्कुकाय अर्थं दास्यति।
- ५। छेलेरा गान गार्हवे(गा धातु)=बालकाः गीतं गास्यन्ति।
- ६। आज आमि घरे याव=अद्य अहं गृहं गमिष्यामि।
- ७। आमरा फलण्णि खाव=वयम् फलानि खादिष्यामः।